The Times of India- 17- September-2022

Free link to sewers to cut pollution level in Yamuna

Siddhanta.Mishra
@timesgroup.com

New Delhi: By reducing the cost of sewer connections to zero under the "Mukhyamantri Muft Sewer Connection Yojana", Delhi Jal Board (DJB) is on its way to achieving the aim of no sewage flowing into storm-water drains, claim officials.

Launched in 2019 by chief minister Arvind Kejriwal, more than 65,000 sewer connections have been provided under this scheme, mainly to tap sewage in unauthorised colonies that lack proper sewer lines. Due to this, sewage flows into open drains and ultimately enters Yamuna. By the end of this year, DJB's target is to provide sewer connections to around 1 lakh houses.

Approximately 19 million gallons of sewage still remains untapped daily. Experts believe if the city has to improve the condition of its river, then it must increase the overall capacity of sewage treatment plants (STP).

Kejriwal's vow of cleaning the river by 2025 is dependent on augmentation of STPs. The current capacity of treatment of wastewater at the city's 35 STPs stands at 632 MGD. In July 2020, around 34 MGD of sewage was flowing into storm-water drains, but by September 2022 this figure dropped to 19 MGD as a result of proper sewer connections and lines.

Last month, DJB vice-chairperson Saurabh Bharadwaj met officials regarding the sewer network and directed them to focus on areas yet to be connected with lines. The officials were further instructed to check open drains from households and colonies located alongside Yamuna and immediately link them with sewer lines.

Earlier, the sewer infrastructure for a 200 square metre house in A and B category colonies cost Rs 2-2.5 lakh, Rs 2 lakh for C category, Rs 1.5 lakh for D category and Rs 70,000 to Rs 1 lakh for categories E, F, G and H. Now, the government does it free of cost without charging for forms, installation, etc.

In February, Delhi government notified 50 colonies where sewer lines were laid and only household connections were pending. Out of 1,799 unauthorised colonies, the sewerage system was laid in 561 and work was in progress in 593.

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Haribhoomi- 17- September-2022

सीएम आवास के पास पानी ही पानी, सिविल अस्पताल नहीं जा सके योगी

प्रदेश में बारिश से तबाही, 24 घंटों में 17 की मौत, कई लोग घायल हुए

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाने के तमाम दावों की पोल महज 24 घंटे की बारिश ने खोल दी है। लखनऊ के कई इलाके पानी में डूब गए हैं। बारिश के कारण विभिन्न जिलों में हुए हादसों में 24 घंटों में 17 लोगों की मौत हो चुकी है। लखनऊ में शुक्रवार तड़के एक निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई वहीं उन्नाव में भी एक कच्चे मकान की छत ढहने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो भाई और एक बहन हैं।

घरों में पानी भर आया तो लोगों ने रात पुल पर काटी। दिलकुशा इलाके में एक मकान गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि हजरतगंज में एक होटल की छत गिर गई। लखनऊ में दीवार गिरने से नौ लोगों की मौत होने की जानकारी जैसे ही झांसी के बंगरा अंतर्गत पचवारा गांव में हुई तो वह मातम पसर गया। मरने वालों में एक ही परिवार के पांच लोग हैं जबकि चार उनके रिश्तेदार हैं। पचवारा गांव के आदिवासी मोहल्ले में रहने वाले गिरजा अपनी पत्नी व बच्चों के अलावा रिश्तेदारों के साथ लखनऊ में काम के सिलसिले में पिछले 20 वर्ष से जा रहे हैं। वहां मजदूरी कर यह लोग परिवार का भरण-पोषण करते थे। गांव में उनकी मां भगवती देवी रहती हैं। इस हादसे में एक ही परिवार के गिरजा शंकर और उनकी पत्नी मान कुमार, पुत्र प्रदीप, प्रदीप की पत्नी रेशमा और पुत्री भारती की मौत हो गई।

24 घंटे की बारिश ने लखनऊ जिला प्रशासन और नगर निगम के स्मार्ट सिटी बनाने के दावे को पानी-पानी कर दिया है। शहर के पॉश इलाके से लेकर नीचले इलाके तक पानी में डूबे हुए हैं। सबसे बड़ी बात है कि मुख्यमंत्री आवास के सामने जाने वाला पार्क रोड भी पानी में डूबा हुआ है।

दिलकुशा इलाके में एक मकान गिरने से नौ लोगों की मौत से मातम पसरा

जलभराव व सड़क धंसने से परेशान शहर का जायजा लेने निकलीं मंडलायुक्त

हादसे के बाद बिखरा पड़ा मलबा

चार रिश्तेदारों की भी जान चली गई। जानकारी जैसे ही गांव पहुंची तो गांव में मातम पसर गया। गिरजा के घर पर कई लोग इकट्ठा हो गए। मां व रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित परिवार का विलाप देख किसी की आंख नम हो गई। घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पहुंचे उन्होंने मदद का आश्वासन दिया है। गौरी शंकर के परिवार में सिर्फ एक बेटा गोलू ही बचा है। सीएम योगी आदित्यनाथ व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान भी किया है। मुख्यमंत्री योगी ने हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

घुटने तक भरे पानी में, एक हाथ से सहारा तो दूसरी तरफ छाता

लगातार बारिश से जलभराव व सड़क धंसने से परेशान शहर का जायजा लेने निकलीं मंडलायुक्त रोशन जैकब की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसमें घुटनों तक भरे पानी में उन्होंने अपने एक हाथ में चप्पल पकड़े हैं तो दूसरे हाथ से सहारा लिया हुआ है।

लखनऊ में हुए हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताया दुख

लखनऊ में हुए हादसे में नौ लोगों की मौत पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख व्यक्त किया है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि लखनऊ में दीवार गिरने से लोगों की मृत्यु का समाचार सुनकर मुझे गहरा दुःख हुआ है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएँ। मैं, घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ।

स्कूलों में छुट्टी

राजधानी लखनऊ समेत पूर्वांचल और बुंदेलखंड इलाके में बारिश ने हाहाकार मचा दिया है। हालात को देखते हुए स्कूल और दफ्तरों की छुट्टी कर दी गई है। लखनऊ के डीएम सूर्य पाल गंगवार ने स्थिति को देखते हुए तड़के 3 बजे जिले के सभी सरकारी, गैर सरकारी, प्राइवेट स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। जलभराव वाले स्थानों पर किसी अनहोनी से बचने के लिए तमाम इलाकों में बिजली काट दी गई है।